E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

वर्तमान शिक्षा के साथ-साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता

मनोज साँवले

शासकीय महाविद्यालय उदयनगर, जिला देवास मध्य प्रदेश

Paper Received date
05/10/2025
Paper Publishing Date
10/10/2025
DOI
https://doi.org/10.5281/zenodo.17738493

IMPACT FACTOR
5.924

सारांश

वर्तमान में शिक्षा का स्वरूप पहले से कहीं अधिक प्रचलित है जिसका मुख्य कारण वर्तमान स्मार्ट उपकरणों और वेव आधारित पाठ्यक्रम की उपलब्धता है। वर्तमान में शिक्षा के क्षेत्र के स्वरूप को व्यापक रूप से बदलने की क्षमता के साथ एक और तकनीक तेजी से बढ़ रही है जिसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के रूप में जाना जाता है । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा के क्षेत्र में भी बहुत सारी संभावनाएं हैं साथ ही इसके द्वारा बहुत सारी संभावनाएं पैदा की जा सकती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा द्वारा बड़ी-बड़ी चुनौतियों का समाधान करने की शिक्षा, शिक्षक और सीखने की विभिन्न प्रथाओं को नए रूप देने की क्षमता व्याप्त है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा के माध्यम से शिक्षा नीति को पिरामिड के सर्वोच्च शिखर पर पहुंचाया जा सकता है हालांकि तेजी से विकसित (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा) तकनीकी विकास निश्चित ही कई जोखिम और चुनौतियां भी पैदा करती है।

मुख्य शब्द - स्मार्ट उपकरण, वेव, पाठ्यक्रम, शिक्षा, स्वरूप ,व्यापक, क्षमता, तकनीक ,आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, संभावनाएं, चुनौतियां, समाधान, विकास, जोखिम।

परिचय-

प्रौद्योगिकी ने सदैव शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जिसके तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पूरी तरह से एक नई तकनीक है। प्रौद्योगिकी /तकनीक दैनिक जीवन में बदलाव लाती है उन तकनीकों में से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नवीन एवं सर्वोपरि तकनीक है जब

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

भी कोई तकनीक प्रौद्योगिकी की आती है तो वह सभी क्षेत्रों को प्रभावित करती है लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सभी क्षेत्रों में तेजी से बदलाव ला रही है।

"हमें इस प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करने की आवश्यकता है क्योंकि हम ऐसे युग की ओर बढ़ रहे हैं जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता - वह भारती प्रौद्योगिकियों का एक अभिसरण - हमारे जीवन के हर पहलू को बदल रहा है सुश्री स्टेफनी जियानीनी (शिक्षा के लिए यूनेस्को की सहायक महानिदेशक)"

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और शिक्षा के बीच कई क्षेत्र शामिल हैं जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पावर टूल्स का उपयोग इसकी तकनीक मानव जीवन पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रमुख है। वर्षों में विशेषज्ञों ने भविष्यवाणी की है कि 2024 तक अमेरिका में शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की उपयोग में 47.5% की वृद्धि होगी यह अमेरिका के शिक्षा क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मार्केट की रिपोर्ट के अनुसार है हालांकि कई शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस तकनीक से शिक्षकों की उपस्थिति नहीं छीनी जा सकती लेकिन वह इस बात से सहमत है कि यह बदल जाएगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक द्वारा शिक्षकों के कार्य में बदलाव छात्रों के सीखने के तरीकों में क्रांति के बाद अनुसंधान में क्रांति वैश्विक बाजार में वृद्धि के बाद नवाचार आदि प्रगति की ओर है। आर्टिफिशियल तकनीक द्वारा छात्रों को सिखाने में मदद के साथ-साथ भिन्न-भिन्न तरीकों का उदय करने मे प्रभावी है।

अध्ययन के उद्देश्य:

1.आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक के सहयोग से शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक कार्यों को स्वचालित करना।

2. मानवीय बुद्धिमता की नकल करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा के उपयोग को समझना।

3. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और शिक्षा के द्वारा दक्षता और उत्पादकता में वृद्धि को समझना।

4. शिक्षा नीति में डाटा संचालित कार्यों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा आसान बनाना। 5. शिक्षा में समस्या एवं समाधान को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा समझना।

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

अध्ययन का महत्व : उक्त शोध पत्र का महत्व आधुनिक शिक्षा में आई वृद्धि, व्यक्तिगत शिक्षक रियल टाइम, गहन समाज शिक्षकों की सहायता,कमजोरी की पहचान, प्रशासनिक कार्यों का स्वच्छ स्वाचालन ,शिक्षक विधियो में सुधार आदि को जानना।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शिक्षा में भूमिका:

1. **सार्वभौमिक पहुंच** : यह उन छात्रों के लिए नई संभावनाओं को बनाना है जिन्हें विभिन्न स्तरों पर सीखने की आवश्यकता होती है खासकर जो स्कूल कॉलेज में अनुपलब्ध विषय हो, अनुपस्थित विद्यार्थी हो या स्वास्थ्य से ग्रसित हो, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पारंपरिक ग्रेड स्तरों और वर्तमान संस्थाओं के बीच के अंतर को दूर कर सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से सीखने वालों के लिए शैक्षिक कक्षाएं विश्व स्तर पर उपलब्ध हो रही है यहां तक की उनके लिए भी जो सुनने या देखने में सक्षम है साथ ही भाषाओं का भेद भी समाप्त हो रहा है।

2. **शिक्षक को पढ़ाना आसान** : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ शिक्षकों के पास व्यापक ज्ञान उपलब्ध हो रहा है भिन्न-भिन्न विषयों की जानकारी उपलब्ध कराना है जिन विषयों के बारे में शिक्षक स्वयं नहीं जानते शिक्षक के ज्ञान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सहायता से एक शिक्षक अपने पुराने सीमित ज्ञान तक नहीं बंधा है जबकि कम समय में गागर में सागर जैसी उपलब्धि करवा सकते हैं शिक्षकों का ज्ञान के आधार पर सीमित दायरा समाप्त हो गया है अब शिक्षक स्वयं भी कई अन्य नई-नई चीज सीख कर शिक्षार्थियों को सीखा सकते हैं।

3. **कक्षा में विद्यार्थियों की कमजोरी की पहचान** : वास्तविक शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षकों के कार्य में मदद करता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षकों में बदलाव के साथ उनके लिए पूरक के रूप में मदद करता है कक्षा में कुछ कमजोर की पहचान कर शिक्षक के कार्य में मदद करता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस छात्रों को प्रश्नों के उत्तर याद करने ,प्रश्नों के व्यवस्थित उत्तर देना, उचित उत्तर खोजना व प्रश्न व उत्तर के लिए व्यापक सामग्री संग्रहण करने में सहायक होता है।

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

विशेषत: शिक्षकों को अधिक जवाबदार बनाने और सर्वोत्तम शिक्षक पद्धतियों का पालन करने के लिए प्रेषित करते हुए छात्र द्वारा विशिष्ट प्रश्नों को याद करने व उनके उत्तर देने में सहायक होगा।

4. हर समय (24*7) सहायक : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा, शिक्षकों के साथ-साथ विद्यार्थियों के लिए भी सूचनाओं का विशाल भंडार होगा। इसका तात्पर्य है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से किसी भी समय किसी भी विषय पर मदद ले सकते हैं अब विद्यार्थियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए समय और विषय की बाध्यता नहीं होगी। अपने शिक्षण में विषय से संबंधित समस्या के समाधान के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। कई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित चैट वॉट विशेष रूप से एक क्षेत्र के रूप में शिक्षा के लिए बनाए गए हैं जो किसी भी समय अपने प्रश्नों के उत्तर देने के लिए 24 * 7 घंटे छात्रों की सहायता के रूप में काम करते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से प्रतीक्षा करने से दूरी बन जाएगी।

5. चैट वॉट का उपयोग : चैट वॉट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शैक्षिक ऐप का उदाहरण है जिसका उपयोग छात्र जल्दी ही कर पाएंगे इस ऐप को तेजी से कक्षाओं में लागू किया जा रहा है जहां विद्यार्थी अधिक या लैपटॉप के द्वारा व्हाट्सएप के साथ चैट करने के लिए करते हैं ताकि उन्हें विशिष्ट विचारों को समझने में मदद मिल सके अब संभव होगा कि छात्रों को नई अवधारणाओं को सीखने में मदद करने के अलावा और भी बहुत कुछ कर सकते हैं विश्लेषण की आवश्यकता में विशेष कार्य होगा

6. कार्य स्वचालन : संघटनात्मक और प्रशासनिक कार्यों में प्रबंधन कार्य के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग प्रोफेसर व शिक्षक कर पाएंगे पढ़ाई के साथ-साथ ग्रेडिंग परीक्षण गृह कार्य का मूल्यांकन आवश्यक कागजी कार्यवाही दाखिला कर प्रगति रिपोर्ट बनाना व्याख्यान के लिए विशेष संसाधनों के रूप में और शिक्षण सामग्री के प्रबंधन आदि के रूप में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी जिससे कार्य कुशलता पूर्वक व सही प्रबंधन के साथ होगा।

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

7. व्यक्तिगत शिक्षा : प्रोफेसर शिक्षक व छात्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से व्यक्तिगत शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम हो सकेंगे।

चुनौतियां :

1. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित शिक्षा का लाभ उन छात्रों तक नहीं पहुंच पाया है जिनके पास आवश्यक इंटरनेट या कंप्यूटर जैसे संसाधनों की कमी है।

2. छात्रों से एकत्र किए गए या कार्यालय से बनाए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता एक बड़ी समस्या हो सकती है इसमें डाटा के दुरुपयोग और हैकिंग का खतरा भी है।

3. पूर्वाग्रह की समस्या भी घटित हो सकती है यह मूल्यांकन और अन्य निर्णय में अनुचित परिणाम दे सकता है।

4. यदि शिक्षक व छात्र पूरी तरह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर निर्भर हो जाए तो उनकी आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान कौशल में बाधा आ सकती है।

5. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभावी ढंग से उपयोग के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण की आवश्यकता होगी।बदलती तकनीक के साथ यह एक बड़ी समस्या हो सकती है।

6. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रणालियों के उपयोग में उच्च लागत ब बुनियादी ढांचा बाधा हो सकती है।

निष्कर्ष :

किसी भी तकनीक के दो पक्ष होते हैं लाभ व हानि, दोनों एक सिक्के के दो पहलू की तरह होते हैं लाभ होगा तो उसे हानि भी निश्चित होगी परंतु किया जाने वाला कार्य सही ढंग व सही प्रबंधन से किया जाए तो लाभ की गणना में हानि को दूर किया जा सकता है। कार्य के प्रबंधन से हानि को दूर किया जा सकता है।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस किसी भी समय कहीं भी शिक्षकों व छात्रों को 24 घंटे की पहुंच की क्षमता दे सकता है रोजमर्रा के कार्यों को बड़ा आसान बनाया जा सकता है

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

चाहे शिक्षण कार्य हो या पठन का कार्य हो विशेष रूप से छात्र अपना भविष्य उज्ज्वल बना सकते हैं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से।

संदर्भ सूची :

1. w.w.w.google.com
2. w.w.w.wikipedia.com
3. w.w.w.en.unesco.org/artificial-inteligence/education
4. w.w.w.timesofindia.indiatimes.com
5. w.w.w.teachthought.com
6. https://www.drishtiias.com